अनुदान संख्या 89 - अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 89–DEPARTMENT OF SPACE

			कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
					(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्व:	**Revenue:**				
प्रभारित-	*Charged–*		*41,00*	*16,66*	*–24,34*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
स्वीकृत-	Voted–				
मूल	Original	2294,11,00	2515,06,00	2424,83,13	–90,22,87
पूरक	Supplementary	220,95,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				87,39,00
पूंजीगत:	**Capital:**				
प्रभारित-	*Charged–*		*35,00*	*8,58*	*–26,42*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
स्वीकृत-	Voted–				
मूल	Original	1779,20,00	1784,20,00	1068,48,78	–715,71,22
पूरक	Supplementary	5,00,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				713,59,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग के *प्रभारित* अंश में, *7.00 लाख रु.* का *विनियोग* दो शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, कुल बचतें (9022.87 लाख रु.) अक्तूबर, 2008 में प्राप्त किए गए 22095.00 लाख रु. के पूरक अनुदान का 41 प्रतिशत और कुल स्वीकृत प्रावधान का 4 प्रतिशत थीं।

बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

Notes and comments

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of *Rs.7.00 lakhs* remained wholly unutilised under two heads.

2. In the voted portion of the revenue sanction of the grant, the overall savings (Rs.9022.87 lakhs) constituted 41 percent of the supplementary grant of Rs.22095.00 lakhs obtained in October, 2008 and 4 percent of the total sanctioned provision.

Savings/excess occurred under the following major heads:-

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
			(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)		
मुख्य शीर्ष ''3252'' उपग्रह प्रणालियां	Major Head "3252" Satellite Systems				
मू.	O.	10768.00			
पू.	S.	2277.00	5383.00	5381.47	–1.53
पु.	R.	–7662.00			
मुख्य शीर्ष ''3402'' अंतरिक्ष अनुसंधान	Major Head "3402" Space Research				
मू.	O.	218095.00			
पू.	S.	19671.00	236679.00	236405.16	–273.84
पु.	R.	–1087.00			

(I) 8102.00 लाख रु. का प्रावधान छह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; जिसमें से 8000.00 लाख रु. अकेले मुख्य शीर्ष ''3402'' के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत लेखाबद्ध किए गए:-

(का) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''उन्नत संचार उपग्रह'' - 1500.00 लाख रु. परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण थे।

(ख) ''भू प्रेक्षण - नए मिशन (सरल, जिओ-एचआर इमेजर, टीईएस हाइप.डीएमएसएआर और कार्टो-3)'' - 2000.00 लाख रु. डीएमएसएआर-1, टीईएस-हाइपरस्पेक्ट्रल और कार्टोसेट-3 परियोजनाएं तैयार न किए जाने के कारण थे।

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग - राष्ट्रीय सुदूर संवेदी अभिकरण'' - 3500.00 लाख रु. इस विभाग के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय राष्ट्रीय सुदूर संवेदी अभिकरण को 01.09.2008 से एक सरकारी निकाय अर्थात राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केन्द्र के रूप में परिवर्तित किए जाने के कारण थे।

(I) Provision of Rs.8102.00 lakhs remained wholly unutilised under six heads; of these Rs.8000.00 lakhs alone accounted for under major Head "3402" - under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Advanced Communication Satellite" – Rs.1500.00 lakhs – due to non- approval of the Project.

(b) "Earth Observation – New Missions (Saral, Geo-HR Imager, TES Hyp.DMSAR & Carto-3)" - Rs.2000.00 lakhs – due to non-formulation of DMSAR-1, TES-Hyperspectral and Cartosat-3 Projects.

(B) "Space Applications - National Remote Sensing Agency (NRSA)" - Rs.3500.00 lakhs – due to Conversion of National Remote Sensing Agency, an autonomous body under this Department into a Government entity i.e., National Remote Sensing Centre (NRSC) w.e.f. 01.09.2008.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान - वातावरण के अध्ययन के लिए लघु उपग्रह" - 1000.00 लाख रु. लघु उपग्रह परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण थे।

(II) निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत प्राप्त किया गया पूरक अनुदान प्रत्येक के सामने दर्शाए अनुसार पूर्णतया अप्रयुक्त रहा:-

(का) मुख्य शीर्ष "3252" - "प्रचालन और अनुरक्षण - इन्सेट - 4 उपग्रह" - 8000.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 1500.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 9500.00 लाख रु. कर दिया गया। तथापि, 7147.00 लाख रु. की बचत (पूरक अनुदान सहित) कार्यक्रम संबंधी विचारों को ध्यान में रखते हुए कम निधियों की आवश्यकता होने और ट्रांसपोंडरों के पट्टा प्रभार कम कर दिए जाने के कारण हुई।

(खा) मुख्य शीर्ष "3402" -

(क) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(i) "पीएसएलवी सतत परियोजना" - 17000.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 75.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 17075.00 लाख रु. कर दिया गया। तथापि, 1027.83 लाख रु. की बचत (पूरक अनुदान सहित) सीएफआरपी ढ़ांचों के निर्माण के लिए लक्ष्य आधारित अदायगी कम किए जाने और परियोजना कार्यक्रम के आधार पर सामग्रियों और संघटकों की अधिप्राप्ति पर व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ii) "विद्युत प्रकाशिकी प्रणालियों के लिए प्रयोगशाला" - 2259.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 75.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 2334.00 लाख रु. कर दिया गया। तथापि, 431.24 लाख रु. की बचत (पूरक अनुदान सहित) आपूर्तियों तथा सामग्रियों तथा एमईएमएस विकास से संबंधित संघटकों पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(C) "Space Sciences - Small Satellite for Atmospheric Studies" – Rs.1000.00 lakhs - due to non-approval of small satellite project.

(II) Supplementary grant obtained under the following major heads remained wholly unutilised as shown against each:-

(A) Major Head "3252" - "Operations and Maintenance – INSAT – 4 Satellites" – the original provision of Rs.8000.00 lakhs was augmented to Rs.9500.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.1500.00 lakhs. However, there was a saving of Rs.7147.00 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds based on programmatic considerations and reduced leasing charges for transponders.

(B) Major Head "3402" –

(a) "Space Technology" –

(i) "PSLV Continuation Project" – the original provision of Rs.17000.00 lakhs was augmented to Rs.17075.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.75.00 lakhs. However, there was a saving of Rs.1027.83 lakhs (including supplementary grant) - due to reduced milestone payment for fabrication of CFRP structures and phasing out expenditure on procurement of materials & components based on project schedule.

(ii) "Laboratory for Electro – Optics Systems (LEOS)" – the original provision of Rs.2259.00 lakhs was augmented to Rs.2334.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.75.00 lakhs. However, there was a saving of Rs.431.24 lakhs (including supplementary grant) - due to postponement of expenditure on supplies & materials and components related to MEMS development to the next financial year.

(iii) "दिशानिर्देशात्मक उपग्रह प्रणाली'' - 1800.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 50.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 1850.00 लाख रु. कर दिया गया। तथापि, 404.62 लाख रु. की बचत (पूरक अनुदान सहित) संशोधित सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर संघटकों और सामग्रियों की अधिप्राप्ति संबंधी अदायगियों को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(iii) "Navigational Satellite System" – the original provision of Rs.1800.00 lakhs was augmented to Rs.1850.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.50.00 lakhs. However, there was a saving of Rs.404.62 lakhs (including supplementary grant) - due to phasing out of payments on procurement of components and materials based on revised delivery schedule.

(ख) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग - राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली'' - 2823.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 50.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 2873.00 लाख रु. कर दिया गया। तथापि, 713.00 लाख रु. की बचत (पूरक अनुदान सहित) प्राकृतिक संसाधनों की गणना और प्रगामी विचारों के आधार पर अन्य राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली कार्यक्रमों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(b) "Space Applications - National Natural Resources Management System (NNRMS)" - the original provision of Rs.2823.00 lakhs was augmented to Rs.2873.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.50.00 lakhs. However, there was a saving of Rs.713.00 lakhs (including supplementary grant) - due to requirement of less funds towards NR census and other NNRMS programmes based on progressive considerations.

(III) निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत प्राप्त किया गया पूरक अनुदान प्रत्येक के सामने दर्शाई गई सीमा तक अप्रयुक्त रहा:-

(III) Supplementary grant obtained under the following major heads remained unutilised to the extent as shown against each:-

(का) मुख्य शीर्ष "3252'' - "प्रचालन तथा रख-रखाव'' के अंतर्गत -

(A) Under Major Head "3252" – "Operations and Maintenance" –

(क) "मुख्य नियंत्रण सुविधा'' - 2468.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 709.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 3177.00 लाख रु. कर दिया गया जो, तथापि, मुख्य नियंत्रण सुविधा हासन और भोपाल में सुविधा प्रचालन व्यय कम होने के कारण 487.44 लाख रु. की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(a) "Master Control Facility (MCF)" - the original provision of Rs.2468.00 lakhs was augmented to Rs.3177.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.709.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of Rs.487.44 lakhs – due to reduced facility operation expenditure at Master Control Facility (MCF) Hassan and Bhopal.

(ख) "इन्सेट - 3 उपग्रह'' - 290.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 68.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 358.00 लाख रु. कर दिया गया जो, तथापि, कार्यक्रम संबंधी विचार के आधार पर कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण 29.09 लाख रु. की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(b) "INSAT – 3 Satellites" - the original provision of Rs.290.00 lakhs was augmented to Rs.358.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.68.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of Rs.29.09 lakhs – due to requirement of less funds based on programmatic consideration.

(खा) मुख्य शीर्ष "3402" - "सामान्य सुविधाएं - सिविल इंजीनियरी प्रभाग" - 1968.00 लाख रु. के मूल प्रावधान को 494.00 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करके बढ़ाकर 2462.00 लाख रु. कर दिया गया जो, तथापि, लघु निर्माण कार्यों के अंतर्गत वास्तविक व्यय के आधार पर कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण 85.96 लाख रु. की सीमा तक अप्रयुक्त रहा।

(IV) मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुई:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "जीएसएलवी एमके-III-विकास" - 1202.94 लाख रु. की बचत (16700.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) संशोधित सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर आपूर्तियों और सामग्रियों पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ख) "अंतरिक्ष कैप्सूल रिकवरी प्रयोग" - 212.28 लाख रु. की बचत (1000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर आपूर्तियों और सामग्रियों पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ग) "मानवयुक्त (मैंड) मिशन का सूत्रपात/मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम" - 7007.97 लाख रु. की बचत (10000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण हुई।

(घ) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन/चरण विकास" - 1072.55 लाख रु. की बचत (1500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सेमी-क्रायो परीक्षण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" -

(B) Major Head "3402" – "Common Services – Civil Engineering Division (CED)" - the original provision of Rs.1968.00 lakhs was augmented to Rs.2462.00 lakhs by obtaining supplementary grant of Rs.494.00 lakhs which, however, remained unutilised to the extent of Rs.85.96 lakhs – due to requirement of less funds based on actuals under minor works.

(IV) Under Major Head "3402" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" –

(a) "GSLV MK-III - Development" – saving of Rs.1202.94 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.16700.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on supplies & materials based on revised delivery schedule.

(b) "Space Capsule Recovery Experiment (SRE)" – saving of Rs.212.28 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1000.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on supplies & materials based on delivery schedule.

(c) "Manned Mission Initiatives/Human Space Programme" – saving of Rs.7007.97 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.10000.00 lakhs) was due to non–approval of the Human Space Flight Programme.

(d) "Semi Crygonic Engine/Stage Development" – savings of Rs.1072.55 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1500.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on semi-cryo test facilities to the next financial year.

(B) "Space Applications" -

(क) "भू-प्रेक्षण अनुप्रयोग मिशन'' - 121.80 लाख रु. की बचत (268.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम की समीक्षा किए जाने के कारण हुई।

(a) "Earth Observation Applications Mission (EOAM)" –saving of Rs.121.80 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.268.00 lakhs) was due to programmatic reviews.

(ख) "आपदा प्रबंधन सहायता'' - 3776.51 लाख रु. की बचत (5000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एएलटीएम सर्वेक्षणों के लिए कम आवश्यकता होने और वायुयान तथा डिजीटल डाटाबेस क्रिएशन के उपलब्ध न होने के कारण हुई।

(b) "Disaster Management Support" – saving of Rs.3776.51 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5000.00 lakhs) was due to less requirement for ALTM surveys and non- availability of Aircraft and digital database creation.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान'' -

(C) "Space Sciences" -

(क) "अन्य स्कीमें'' - 1073.00 लाख रु. की बचत (2113.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकास की स्थिति के आधार पर डिजीटल-वर्कफ्लो प्रणालियों, स्पेसनेट संवर्धन और अन्य कार्यक्रम के संबंध में कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(a) "Other Schemes" – saving of Rs.1073.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2113.00 lakhs) was due to less requirement in digital workflow systems, spacenet augmentation and other programme based on development status.

(ख) "संवेदक पेलोड विकास/ग्रहीय विज्ञान कार्यक्रम'' - 198.00 लाख रु. की बचत (500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) छोटे उपग्रहों के लिए पेलोड विकास के ब्योरे को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण हुई।

(b) "Sensor Payload Development/Planetary Science Programme" – saving of Rs.198.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.500.00 lakhs) was due to non-finalisation of the details Payload Development for small satellites.

(ग) "वायुमंडल विज्ञान कार्यक्रम'' - 372.34 लाख रु. की बचत (1449.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) स्वचालित मौसम केंद्रों और अनुसंधान तथा विकास परियोजनाओं पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(c) "Atmospheric Science Programme" – saving of Rs.372.34 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1449.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on automatic weather stations and R&D projects to the next financial year.

(घा) "अंतर्राष्ट्रीय सहयोग - एशिया और पैसिफिक में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा केंद्र'' - 172.00 लाख रु. की बचत (272.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पिछले वर्ष का अव्ययित शेष उपलब्ध होने के कारण हुई।

(D) "International Co-Operation - Centre for Space Science & Technology Education in Asia and the Pacific (CSSTE-AP)" – saving of Rs.172.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.272.00 lakhs) was due to availability of unspent balance of previous year.

(ङ) "अन्य व्यय - विशेष स्वदेशीकरण/उन्नत आदेशन'' - 361.70 लाख रु. की बचत (2000.00 लाख रु. के स्वीकृत

(E) "Other Expenditure - Special Indigenisation/Advanced Ordering" – saving of Rs.361.70 lakhs (against the sanctioned provision

प्रावधान की तुलना में) विकास कार्यक्रम के आधार पर इलेक्ट्रानिक संघटकों के विकास पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

of Rs.2000.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on development of electronic components to the next financial year based on the development schedule.

(V) तीन शीर्षों के अंतर्गत 178.85 लाख रु. की बचतें हुईं जो प्रत्येक में 50.00 लाख रु. से अधिक और स्वीकृत प्रावधान का 13 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक थीं।

(V) Under three heads savings of Rs.178.85 lakhs occurred, each exceeding Rs.50.00 lakhs and constituting 13 percent to 18 percent of the sanctioned provision.

3.(I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (24088.00 लाख रु.) प्रयुक्त हो गईं जैसा कि मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत 196.71 लाख रु. का पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था:-

3.(I) The above savings were partly (Rs.24088.00 lakhs) utilised for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining supplementary grant of Rs.196.71 lakhs under Major Head "3402" – under the following heads:-

(का) "निदेशन और प्रशासन - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय" - 114.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 112.30 लाख रु. था।

(A) "Direction and Administration – Indian Space Research Organisation Headquarters" - Rs.114.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.112.30 lakhs.

(खा) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(B) "Space Technology" –

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र" - 6489.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 6488.67 लाख रु. था।

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - Rs.6489.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.6488.67 lakhs.

(ख) "द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र" - 400.50 लाख रु.।

(b) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" – Rs.400.50 lakhs.

(ग) "इसरो उपग्रह केंद्र" - 6906.50 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 6903.30 लाख रु. था।

(c) "ISRO Satellite Centre (ISAC)"– Rs.6906.50 lakhs. Actual excess, however, was Rs.6903.30 lakhs.

(घ) "सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - शार (एसडीएससी-शार)" - 3736.00 लाख रु.।

(d) "Satish Dhawan Space Centre – SHAR (SDSC-SHAR)" - Rs.3736.00 lakhs.

(ङ) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क" - 570.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 563.79 लाख रु. था।

(e) "ISRO Telemetry, Tracking & Command Network (ISTRAC)" - Rs.570.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.563.79 lakhs.

(च) "जीएसएलवी प्रचालनात्मक परियोजना" - 475.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 474.85 लाख रु. था।

(f) "GSLV Operational (GSLV-O) Project" - Rs.475.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.474.85 lakhs.

(गा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" -

(क) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र" - 2244.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 2229.27 लाख रु. था।

(ख) "क्षेत्रीय सुदूर संवेदी सेवा केंद्र" - 287.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 286.85 लाख रु. था।

(ग) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र" - 2866.00 लाख रु.। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय 2865.99 लाख रु. था।

(II) उपर्युक्त बचतें मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई" - 127.32 लाख रु. का अधिक व्यय (1079.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उन्नत जड़त्वीय संवेदकों के उत्पादनीकरण और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ख) "सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला" - 332.00 लाख रु. का अधिक व्यय (3428.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वीएलएसआई निर्माण और परीक्षण कार्यकलापों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(खा) "अंतरिक्ष विज्ञान" -

(क) "भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला" - 506.00 लाख रु. का अधिक व्यय (5144.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुआ; और

(ख) "राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला" - 109.00 लाख रु. का अधिक व्यय (1131.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुआ।

(C) "Space Applications" –

(a) "Space Applications Centre (SAC)" – Rs.2244.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.2229.27 lakhs.

(b) "Regional Remote Sensing Service Centres (RRSSCs)" – Rs.287.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.286.85 lakhs.

(c) "National Remote Sensing Center (NRSC)" – Rs.2866.00 lakhs. Actual excess, however, was Rs.2865.99 lakhs.

(II) The above savings were partly offset by excess under Major Head "3402" – under the following heads:-

(A) "Space Technology" –

(a) "ISRO Inertial Systems Unit (IISU)" - excess of Rs.127.32 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1079.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for productionalisation of advanced inertial sensors and installation of CCTV cameras for security.

(b) "Semi-conductor Laboratory (SCL)" - excess of Rs.332.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3428.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards VLSI fabrication and testing activities.

(B) "Space Sciences" -

(a) "Physical Research Laboratory (PRL)" - excess of Rs.506.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5144.00 lakhs); and

(b) "National Atmospheric Research Laboratory (NARL)" - excess of Rs.109.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1131.00 lakhs).

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय कार्यानिष्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन स्कीम के भाग के रूप में संगठनात्मक प्रोत्साहनों को लागू किए जाने और छठे केंद्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट को लागू किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

Excess under the above two heads was due to requirement of additional funds for implementation of organizational incentives as a part of Performance Related Incentive Scheme (PRIS) and implementation of VIth Central Pay Commission Report.

(III) एक शीर्ष के अंतर्गत 59.97 लाख रु. का अधिक व्यय हुआ जो स्वीकृत प्रावधान का 600 प्रतिशत था।

(III) Under one head excess of Rs.59.97 lakhs occurred constituting 600 percent of the sanctioned provision.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के *प्रभारित* अंश में, *3.00 लाख रु.* का *विनियोग* तीन शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of *Rs.3.00 lakhs* remained wholly unutilised under three heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, कुल बचतें (71571.22 लाख रु.) अक्तूबर, 2008 में प्राप्त किए गए 500.00 लाख रु. के पूरक अनुदान से अधिक हो गईं और यह कुल स्वीकृत प्रावधान का 40 प्रतिशत थीं।

5. In the voted portion of the capital section of the grant, the overall savings (Rs.71571.22 lakhs) exceeded the supplementary grant of Rs.500.00 lakhs obtained in October, 2008 and constituted 40 percent of the total sanctioned provision.

बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

Savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष Head			कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
मुख्य शीर्ष "5252" उपग्रह प्रणालियों पर पूंजीगत परिव्यय Major Head "5252" Capital Outlay on Satellite Systems					
मू.	O.	29711.00	17809.00	17798.12	–10.88
पु.	R.	–11902.00			
मुख्य शीर्ष "5402" अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय Major Head "5402" Capital Outlay on Space Research					
मू.	O.	148209.00	89252.00	89050.66	–201.34
पू.	S.	500.00			
पु.	R.	–59457.00			

(I) 12020.00 लाख रु. का प्रावधान सात शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; जिसमें से 12000.00 लाख रु. निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत लेखाबद्ध किए गए:-

(का) मुख्य शीर्ष "5252'' - "अंतरिक्षयान - इन्सेट-4 प्रक्षेपण सेवाएं'' - 6000.00 लाख रु. इन्सेट-4 जी उपग्रह का प्रक्षेपण 2009-10 के लिए पुनर्निर्धारित किए जाने की वजह से उसके बीमा प्रभार में कमी किए जाने के कारण थे।

(खा) मुख्य शीर्ष "5402'' - "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) "उन्नत संचार उपग्रह'' - 750.00 लाख रु. परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण थे।

(ख) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन/चरण विकास'' - 750.00 लाख रु. सेमीक्रायो परीक्षण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण थे।

(ग) "भू प्रेक्षण - नए मिशन (सरल, एचआर इमेजर, टीईएस हाइप, डीएमएसएआर कार्टो-3)'' - 4500.00 लाख रु. डीएमएसएआर-1,टीईएस-हाइपरस्पेक्ट्रल और कार्टोसेट-3 परियोजनाओं के अभी तक तैयार न होने के कारण थे।

(II) मुख्य शीर्ष "5252'' के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) "अंतरिक्षयान-इन्सेट-4 उपग्रह'' - 5857.04 लाख रु. की बचत (20000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना को वित्तीय स्वीकृति अभी तक प्रदान न किए जाने की वजह से जीसेट-10 परियोजना पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने, सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर परीक्षण और निर्माण उपस्करों पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने, प्रक्षेपण कार्यक्रम के आधार पर जीसेट-5 और जीसेट-8 से सम्बद्ध अंतरिक्षयान परीक्षण और मिशन खर्चों पर होने वाले व्ययों को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(खा) "मुख्य नियंत्रण सुविधा - इनसेट एमसीएफ'' - 1070.89 लाख रु. की बचत (2959.00 लाख रु. के स्वीकृत

(I) Provision of Rs.12020.00 lakhs remained wholly unutilised under seven heads; of these Rs.12000.00 lakhs accounted for under the following major heads:-

(A) Major Head "5252" – "Spacecrafts - INSAT-4 Launch Services" – Rs.6000.00 lakhs – due to reduction in insurance charges for INSAT-4G Satellite owing to launch being rescheduled for 2009-10.

(B) Major Head "5402" - "Space Technology" -

(a) "Advanced Communication Satellite" – Rs.750.00 lakhs -due to non- approval of the project.

(b) "Semi Cryogenic Engine/Stage Development" – Rs.750.00 lakhs - due to phasing out expenditure on Semicryo test facilities.

(c) "Earth Observation - New Missions (Saral, HR Imager, TES Hyp, DMSAR Carto-3)" – Rs.4500.00 lakhs – due to the projects of DMSAR-1, TES- Hyperspectral & Cartosat–3 are not yet formulated.

(II) Under Major Head "5252" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Spacecrafts-INSAT-4 Satellites" – saving of Rs.5857.04 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.20000.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on GSAT-10 project as the project finanacial sanction is not yet accorded, postponement of expenditure on test and fabrication equipments based on delivery schedule, phasing out expenditure on spacecraft testing & Mission expenses related to GSAT-5 & GSAT-8 based on launch schedule.

(B) "Master Control Facility (MCF)-INSAT MCF" – saving of Rs.1070.89 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2959.00 lakhs) was

प्रावधान की तुलना में) तकनीकी सुविधाओं को बढ़ाए जाने पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने और कार्यान्वयन कार्यक्रमों के आधार पर व्यतिकरण विश्लेषण प्रणाली और अन्य भू केंद्र उपस्करों पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(III) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र" - 2714.08 लाख रु. की बचत (17350.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ईबी-मेल्टिंग फर्नेस की स्थापना को अंतिम रूप न दिए जाने और प्लाजमा विंड टनल सुविधा पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने, कार्यक्रम संबंधी विचार के आधार पर हाफनियम और नायोबियम संबंधी उपस्करों के उत्पादनीकरण को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ख) "जीएसएलवी एमके-III विकास" - 3801.13 लाख रु. की बचत (10300.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एस 200, सी-25 परियोजना और प्रक्षेपण परिसर से सम्बद्ध सुविधाओं को चालू किए जाने की आवश्यकता को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और संशोधित सम्पूरण कार्यक्रम के आधार पर निर्माण, उत्पादन, एकीकरण और परीक्षण सुविधाएं चालू किए जाने पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ग) "द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र" - 2388.08 लाख रु. की बचत (3396.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर क्रायो उप प्रणाली परीक्षण सुविधा और अन्य द्रव प्रणोदन परीक्षण/निर्माण सुविधाओं से सम्बद्ध संवर्धन सुविधा पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने और क्रायो उप प्रणाली सुविधाओं तथा अन्य द्रव इंजन परीक्षण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

due to phasing out expenditure of augmentation on technical facilities to the next financial year and Phasing out expenditure on Interference Analysis System and other ground station equipments based on realization schedules.

(III) Under Major Head "5402" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" – saving of Rs.2714.08 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.17350.00 lakhs) was due to non-finalisation of installation of EB-Melting furnace and phasing out expenditure on plasma wind tunnel facility, Postponement of productionisation equipments for Hafnium and Niobium to the next financial year based on programmatic consideration.

(b) "GSLV MK-III Development" – saving of Rs.3801.13 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.10300.00 lakhs) was due to the requirement of the commissioning of facilities related to S200, C-25 project and launch complex have spilled over to next financial year and phasing out expenditure on commissioning of fabrication, production, integration and test facilities based on revised completion schedule.

(c) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" – saving of Rs.2388.08 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3396.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on facility augmentation related Cryo subsystem test facility & other liquid propulsion test/ fabrication facilities and Postponement of expenditure on Cryo subsystem facilities and other liquid engine test facilities based on delivery schedule.

(घ) ''इसरो उपग्रह केंद्र'' - 3952.71 लाख रु. की बचत (6946.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) लक्ष्यप्राप्ति की स्थिति के आधार पर अंतरिक्षयान परीक्षण और निर्माण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने और विनिर्दिष्टि ब्योरे को अभी तक अंतिम रूप न दिए जाने के परिणामस्वरूप इलेक्ट्रानिकी पैकेजिंग उपस्करों की अधिप्राप्ति को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(d) "ISRO Satellite Centre (ISAC)" - saving of Rs.3952.71 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.6946.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on spacecraft test and fabrication facilities based on progress milestones status and postponement of procurement of electronics packaging equipments as the specification details are not yet finalized.

(ङ) ''विद्युत-प्रकाशिकी प्रणालियों के लिए प्रयोगशाला'' - 231.48 लाख रु. की बचत (1455.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी विचार के आधार पर प्रकाशिकी और एमईएमएस प्रयोगशाला संबंधी मुख्य निर्माण कार्य और अन्य निर्माण कार्यों पर होने वाले व्यय में कमी किए जाने के कारण हुई।

(e) "Laboratory for Electro-Optics Systems (LEOS)" – saving of Rs.231.48 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1455.00 lakhs) was due to reduction in major works expenditure on optics & MEMS lab and other construction works based on programmes.

(च) ''ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन सतत परियोजना'' - 550.01 लाख रु. की बचत (1000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी विचार के आधार पर उपस्करों का परीक्षण और निर्माण अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(f) "Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV) Continuation Project" –saving of Rs.550.01 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1000.00 lakhs) was due to postponement of test and fabrication of equipments to next financial year based on programmatic consideration.

(छ) ''जीएसएलवी प्रचालनात्मक परियोजना'' - 826.09 लाख रु. की बचत (2000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी विचार के आधार पर उपस्करों का परीक्षण और निर्माण अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(g) "GSLV Operational Project" – saving of Rs.826.09 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2000.00 lakhs) was due to postponement of test and fabrication of equipments to next financial year based on programmatic consideration.

(ज) ''जीसेट-4'' - 145.30 लाख रु. की बचत (200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी अपेक्षाओं के आधार पर केए बैंड परीक्षण उपस्करों और अन्य अंतरिक्षयान उपस्करों पर होने वाले व्यय को चरण बद्ध किए जाने के कारण हुई।

(h) "GSAT – 4" - saving of Rs.145.30 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.200.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on Ka band test equipments and other spacecrafts equipments based on programmatic requirements.

(झ) ''ओशनसेट-2 और 3'' - 123.47 लाख रु. की बचत (700.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी समीक्षा के आधार पर अंतरिक्षयान परीक्षण और निर्माण उपस्करों पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने और संशोधित प्रक्षेपण

(i) "Oceansat – 2&3" – saving of Rs.123.47 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.700.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on spacecraft test and fabrication equipments based on

कार्यक्रमों के आधार पर प्रक्षेपण अभियान व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

programmatic review and postponement of launch campaign expenditure to next financial year based on revised launch schedules.

(ञ) "दिशानिर्देशन उपग्रह प्रणाली" - 9980.36 लाख रु. की बचत (25200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान और पेलोड उप प्रणाली सामग्रियों/संघटकों पर होने वाले व्यय और आईआरएनएसएस भू खंड उपस्करों/सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(j) "Navigation Satellite System" - saving of Rs.9980.36 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.25200.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on spacecraft and payload subsystem materials/ components and phasing out expenditure on IRNSS Ground segment equipments/ facilities.

(ट) "रिसोर्ससेट -2 और 3" - 958.74 लाख रु. की बचत (3200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान और पेलोड परीक्षण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(k) "Resourcesat – 2 & 3" - saving of Rs.958.74 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3200.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on spacecraft and payload test facilities.

(ठ) "मानवयुक्त (मैंड) मिशन का सूत्रपात/मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम" - 2010.00 लाख रु. की बचत (2500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण हुई।

(l) "Manned Mission Initiatives/Human Space Programme" - saving of Rs.2010.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2500.00 lakhs) was due to non-approval of Human Space Flight Programme.

(ख) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" -

(B) "Space Applications" -

(क) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र" - 2642.00 लाख रु. की बचत (5219.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्ति की स्थिति और कार्यक्रम की समीक्षा के आधार पर पेलोड परीक्षण निर्माण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(a) "Space Applications Centre (SAC)" – saving of Rs.2642.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5219.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on payload test fabrication facilities based on procurement status and programmatic review.

(ख) "आपदा प्रबंधन सहायता" - 622.50 लाख रु. की बचत (1500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकास की स्थिति के आधार पर एयरबोर्न सिंथेटिक रेडार विकास और डोपलर मौसम रेडार विकास पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(b) "Disaster Management Support (DMS)" – saving of Rs.622.50 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1500.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on airborne synthetic radar development and Doppler Weather Radars development based on development status.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान" -

(C) "Space Science" -

(क) "एस्ट्रोसेट" - 381.10 लाख रु. की बचत (2435.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रमों के आधार पर एक्स-रे पेलोड, एलएएक्सपीसी पेलोड और यूवीआईटी पेलोड पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने, अंतरिक्षयान संघटकों और सामग्रियों पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(a) "Astrosat" - saving of Rs.381.10 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2435.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on X-Ray payload, LAXPC payload and UVIT payload, postponement of expenditure on spacecraft components and materials based on delivery schedules.

(ख) "भारतीय चंद्र मिशन - चंद्रयान-1 और 2" - 319.83 लाख रु. की बचत (7415.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्य की वास्तविक प्रगति के आधार पर वाट्टीयूरकावू में उन्नत जड़त्वीय संवेदकों के लिए भवन पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने और लघुकृत सीसीडी कैमरा प्रणाली और चंद्रयान-2 परियोजना के संबंध में यान पर लगने वाली सामग्रियों/संघटकों की अधिप्राप्ति पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(b) "Indian Lunar Mission – Chandrayaan-1 & 2" - saving of Rs.319.83 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.7415.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on building for advanced inertial sensors at Vattiyoorkavu based on actual progress of work and phasing out expenditure on miniatured CCD Cameras System & procurement of on-board materials/components pertaining to Chandrayaan-2 project.

(ग) "मेघा-ट्रोपिक्यूज" - 126.45 लाख रु. की बचत (1778.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) संशोधित सुपुर्दगी कार्यक्रमों के आधार पर अंतरिक्षयान परीक्षण और निर्माण उपस्करों की अधिप्राप्ति को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(c) "Megha-Tropiques" - saving of Rs.126.45 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1778.00 lakhs) was due to postponement of procurement of spacecraft test and fabrication equipments based on revised delivery schedules.

(घा) "अन्य व्यय - विशेष स्वदेशीकरण/उन्नत आदेशन" - 28000.00 लाख रु. की बचत (33000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वास्तविक प्रगति के आधार पर एससीएल चंडीगढ़ में सेमीकंडक्टर उपकरण इकाइयों के विकास के लिए वीएलएसआई निर्माण सुविधाओं के उन्नयन पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(D) "Other Expenditure - Special Indigenisation/Advance Ordering" - saving of Rs.28000.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.33000.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on upgradation of VLSI fabrication facilities for development of Semi-conductor device units in SCL Chandigarh based on the actual progress.

(ङ) "आवास" -

(E) "Housing" -

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र" - 739.01 लाख रु. की बचत (832.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निविदाओं को अंतिम रूप दिए जाने में विलंब होने के कारण हुई।

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre" – saving of Rs.739.01 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.832.00 lakhs) was due to delay in finalisation of tenders.

(ख) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र" - 148.00 लाख रु. की बचत (446.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की

(b) "Space Applications Centre" – saving of Rs.148.00 lakhs (against the sanctioned

तुलना में) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद में आवास चरण-V और VI कार्य से संबंधित व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(IV) एक शीर्ष के अंतर्गत 62.44 लाख रु. की बचत हुई जो स्वीकृत प्रावधान का 48 प्रतिशत थी।

6. उपर्युक्त बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(I) मुख्य शीर्ष "5252" - "अंतरिक्षयान - इन्सेट-3 उपग्रह" - 1042.05 लाख रु. का अधिक व्यय (700.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड परीक्षण और निर्माण उपस्करों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने, एलएमएफ में एओसीएस परीक्षण सुविधा पर पिछले वर्ष का बकाया व्यय किए जाने, परीक्षण और निर्माण सुविधाओं को चलाने के लिए विद्युत प्रभारों में वृद्धि होने और पेलोड सामग्रियों/ संघटकों से संबंधित बकाया अदायगियां किए जाने के कारण हुआ।

(II) मुख्य शीर्ष "5402" -

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - शार (एसडीएससी-शार)" - 3968.85 लाख रु. का अधिक व्यय (7944.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पारगमन गृह/परिसर के लिए चेन्नई में भूमि की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने, निर्माण और प्रक्षेपण परिसर सुविधाओं को चालू करने के लिए पिछले वर्ष की बकाया अदायगियां किए जाने के कारण हुआ।

(ख) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग और कमान नेटवर्क" - 1409.60 लाख रु. का अधिक व्यय (1409.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आईएसटीआरएसी भू-केंद्र उपस्करों के आधुनिकीकरण, एंटेना प्रणालियों के प्रतिस्थापन, ब्यालालू और पीन्या बंगलौर में मिशन प्रचालन परिसर में मुख्य निर्माण कार्यों से संबंधित बकाया अदायगियां किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

provision of Rs.446.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure in respect of Housing Phase-V and VI work at SAC, Ahmedabad.

(IV) Under one head saving of Rs.62.44 lakhs occurred constituting 48 percent of the sanctioned provision.

6. The above savings were partly offset by excess under the following major heads:-

(I) Major Head "5252" – "Space Crafts - INSAT-3 Satellites" – excess of Rs.1042.05 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.700.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for payload test & fabrication equipments, spillover of expenditure from previous year on AOCS test facility at LMF, increase in electricity charges for running of test & fabrication facilities and spillover payments related to payload materials/ components.

(II) Major Head "5402" –

(A) "Space Technology" -

(a) "Satish Dhawan Space Centre – SHAR (SDSC-SHAR)" - excess of Rs.3968.85 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.7944.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for procurement of land at Chennai for transit house/Campus, spillover payments from previous years on the commissioning of fabrication and launch complex facilities.

(b) "ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)" – excess of Rs.1409.60 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1409.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for modernization of ISTRAC ground station equipments, replacement of antenna systems, spillover payments related to major works at Byalalu and Mission Operations Complex at Peenya, Bangalore.

(ग) "रिसेट-1" - 308.49 लाख रु. का अधिक व्यय (2232.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड परीक्षण और निर्माण उपस्करों और पेलोड माड्यूलों पर पिछले वर्ष की बकाया अदायगियां करने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(c) "RISAT-1" – excess of Rs.308.49 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2232.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for payload test and fabrication equipments and Spillover payment from last year on payload modules.

(ख) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" -

(B) "Space Applications" –

(क) "क्षेत्रीय सुदूर संवेदी सेवा केंद्र" - 102.59 लाख रु. का अधिक व्यय (347.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वर्कस्टेशनों की अधिप्राप्ति, आरआरएसएससी, नागपुर के लिए अतिरिक्त भूमि की अधिप्राप्ति और कोलकाता एवं बंगलौर में आरआरएसएससी भवनों के निर्माण से संबंधित बकाया अदायगियां किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(a) "Regional Remote Sensing Service Centres (RRSSCs)" -excess of Rs.102.59 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.347.00 lakhs) was due to requirement of additional funds to spillover payments related to procurement of workstations, procurement of additional land for RRSSC, Nagpur & construction of RRSSC buildings at Kolkatta & Bangalore.

(ख) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र" - 1262.27 लाख रु. का अधिक व्यय (500.00 लाख रु. के पूरक प्रावधान की तुलना में) आंकड़ा संसाधन और आंकड़ा उत्पाद सृजन के लिए मशीनरी और उपस्करों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(b) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" – excess of Rs.1262.27 lakhs (against the supplementary provision of Rs.500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for procurement of Machinery and Equipments for data processing and data product generation.

(गा) "अन्य व्यय - केंद्रीय प्रबंधन" - 120.00 लाख रु. का अधिक व्यय (500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) दिल्ली और मुंबई स्थित अतिथि गृहों के संबंध में पिछले वर्ष की बकाया अदायगियां किए जाने के लिए अतिरक्ति निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(C) "Other Expenditure - Central Management" - excess of Rs.120.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for spillover of expenditure from previous year on Guest houses at Delhi and Mumbai